# TO BE PUBLISHED IN THE GAZETTE OF INDIA EXTRAORDINARY PART (ii), SECTION 3 SUB-SECTION (II) DATED THE 307, May, 1996

### GOVERNMENT OF INDIA MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF REVENUE (CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

New Delhi, the 30-45, 1996

# NOTIFICATION INCOME-TAX

- S.O. (E) In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 139A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Board hereby specifies that every person who is assessed or liable to be assessed by the Assessing Officer falling under the control of income-tax authorities mentioned in the Table below and,
- (a) who has not been allotted a permanent account number and
  - if his total income or the total income of any other person in respect of which he is assessable under the Income-tax Act, 1961 during any previous year exceeded the maximum amount which is not chargeable to income-tax; or
  - (ii) carrying on any business or profession whose total sales, turnover or gross receipts are or is likely to exceed fifty thousand rupees in any previous year; or
  - (iii) who is required to furnish a return of income under sub-section (4A) of section 139 of the Income-tax Act, 1961; or
- (b) who has been allotted a permanent account number other than under the new series,-

shall apply within the period of thirty days beginning with the 1st day of June, 1996 and ending on 30th day of June, 1996 in respect of assessment year 1996-97;

to the concerned Assessing Officer falling under the control of the income-tax authorities mentioned under the Table below for the allotment of a permanent account number under the new series, namely:-

#### Table **Income-Tax Authorities**

- 1. Chief Commissioners of Income-tax I, II and III, Delhi;
- 2. Chief Commissioners of Income-tax I, II and III, Mumbai;
- 3. Chief Commissioners of Income-tax I and II, Madras;
- 4. Commissioners of Income-tax (Central) I and II, Delhi;
- Commissioners of Income-tax (Central) I, II and III, Mumbai;
- 6. Commissioners of Income-tax (Central) I and II, Madras;
- 7. Directors of Income-tax (Exemption), Delhi, Mumbai and Madras:
- (c) Every person to whom clause (a) or (b) of this notification becomes applicable on or after the 1st day of any previous year relevant to the assessment year 1997-1998 or any subsequent year, shall apply for the allotment of a permanent account number under the new series to the concerned Assessing Officer falling under the control of the income-tax authorities mentioned above during any period on or before the 30th day of June in any assessment year subsequent to the assessment year 1996-1997:

Provided that the persons to whom permanent account number under the new series has already been allotted shall not apply for such number again.

Sd/-

Under Secretary to the Government of India

<u>F.No. 142/17/96-</u>TPL

No... 10100

भारत के राज्यत्र, अताधारण, भाग 2, खंड 3, पखंड हों। तारीख 30 कि

भारत तरकार वित मैंत्रालय राजस्य विभाग किन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्डं।

हिल्लीहें, तारी ख **३० भ**ई, 1996

## अधिसूचना रहे॥५,००५

का. आ. बोर्ड आय-कर अधिनियम, 1961 मा 431 की धारा 139 क की उपधारा 141 द्वारा प्रदत्त शक्ति मुंगे का प्रयोग करते हुए यह विभिद्धित करता है कि ऐसा प्रत्येक व्यक्ति मिने जिसका नीचे सारणी में उक्ति आय-कर प्राधिकारियों के नियंत्रण है अधीन आने वाले निधारण अधिकारी द्वारा निधारण किया गया है यर जो निधारित विस् जाने के किए दायित्वाधीन है और,-

कि। जिसे स्थाई नेखा संख्या आवंदित नहीं किया गया है और करि ।। यदि उसकी कुल आय या किसी अन्य व्यक्ति की कुल आय जिसकी वाबत वह किसी पूर्व वर्ष के दौरान आय-कर अधिनियम, 1961 के अधीन निधारिम है ऐसी अधिकतम रक्ष्य से अधिक है जो आय-कर से प्रभार्थ नहीं है, या,

ां। कोई ऐसा कारवार सा ऐसी वृति कर रहा है जिसका कुल विक्रय आवत या सकल प्राचित्यां किसी पूर्व वर्ष में प्राप्त हजार स्मए से अधिक हैं या हाने की संभावना है, या

शिशि जिससे आया कर अधिनियम, 1961 की धारा 139 की उपधारा अकि। के अधीन आया कर की चित्रणी प्रकृत करने की अपेक्षा की जाती है या

ावाः जिलो नई श्रृंबला से अिन्न के अधीन स्थाई लेखा संख्या आखंटित किया गया है, --

। जून, 1996 ते आरंम्भ होतर और 30 जून, 1996 को समाप्त होने वाली तीत दिन की अवधि के भीतर निधारण वर्ष 1996-97 की बाबत,

नहीं शुर्वला है अधीन तथाही लेखा के आवंदन के लिए नीचे की सारणी में उत्तिलिखित आय एर प्राधि नारियों के नियंका के अधीन आने जाने जाते तम्बद्ध निधारण अधिकारी को आवंदन करेगा, अधीव :-

मुख्य कर आयुक्त ।, 11 और 111 दिल्ली मुख्य आय कर आयुक्त ।, गां और 🎞 मुम्बई 2. मुख्य आय कर आयुक्त । और 🎞 सद्दात 3. आय कर आयुक्त किन्द्रीय। । और 🎞 दिल्ली 4. आय कर आयुक्त केन्द्रीय । , ।। और गा मुम्बई 5. आय कर आयुक्त अकेन्द्रीयः । और 🎞 मद्रास 6. आग कर निदेशक अडूट। दिल्ली, मुम्बई, अद्रास 7. ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिस पर निधारिंग वर्ष 1997-1998 या किसी §J| 8 पश्चातवती वर्ष से सुतंगत किती पूर्व वर्ष के पहले दिन को या उसके पश्चात् इस अधिसूचना का खंड का मा खंड खा लागू हो जाता है नई शूखंला के अधीन स्थायी लेखा है या के आवंटन के लिए/निधीरण 1996-97 वर्ष में 30 जून को या उसके पूर्व की किसी अवधि के दौरान अपर के व्यक्ता उ लिल खित आय कर प्राधिका रियों के नियंत्रण के अधीन आने ताले -faill सम्बद्ध निधारिण अधिहारी को आर्वेटन करेगा । पर्नेतु यह कि ऐसे व्यक्ति जिन्हें नई श्रृंबला के अधीन पहले त्रेड़िंग ही स्थाई <del>साता</del> का आवंटन किया वा चुका है ऐसे बुर्स के तिए पुन: अविदन नडीं करेंगे।

> हा. प्रबोध सेठ । अवर सचिव, भारत सरकार

भाः । ७ (७० फा. सं. । 42/17/96-टी. पी. एत.